

ABHIJIT ZINGADE

# स्टॉक मार्केट अँड टेक्निकल एनालिसिस

Learn Basic Information  
About Stock Market And  
Technical Analysis

# स्टॉक मार्केट अँड टेक्निकल ऍनालिसिस

अभिजीत झिंगाडे

ये बुक उन लोगो के लिये है जो टेक्निकल एँनालिसिस सिखना चाहते है और उसके जरिया सही स्टॉक सिलेक्ट कर स्टॉक मार्केट मे पैसे कमाना चाहते है..

## डिस्क्लेमर

स्टॉक मार्केट में ट्रेडिंग या इन्वेस्टमेंट करना ये पुरा मार्केट के रिस्क के उपर है. इस बुक में जो भी इन्फॉर्मेशन दि गयी है वो एजुकेशनल पर्पस है. अगर ये बुक में दि गयी इन्फॉर्मेशन के सहारे आप यदी ट्रेडिंग करते हैं तो ये पुरी आपकी जिम्मेदारी हो जाती है.

कौनसा भी स्टॉक खरीदने से पहिले ट्रेडर या इन्वेस्टर को खुद रिसर्च करनी चाहिये. या वो उनके फायनान्सियल एडवाइजर को पुछ सकते हैं.

## Table of Contents

- [1.स्टॉक मार्केट क्या है?](#)
- [2.स्टॉक सिलेक्शन के तरीके](#)
- [3.फंडामेंटल एनालिसिस](#)
- [4.टेक्निकल एनालिसिस](#)
- [5.टेक्निकल एनालिसिस के फायदे](#)
- [६. चार्ट पैटर्न्स](#)
- [7.टेक्निकल इंडिकेटर्स](#)
- [8.डिसिप्लिनस और रुल्स](#)
- [9.कन्क्लूजन](#)
- [हमारे दूसरे बुक्स](#)

## 1.स्टॉक मार्केट क्या है?

स्टॉक मार्केट एक ऐसी जगह है जहाँ पे स्टॉक का एक्सचेंज होते रहेता है. याने एक ऐसी जगह जहाँ पे लोग आते है और शेअर्स खरीदते है या बेचते है.

हमारे यहा उदाहरण के तौर पर देखा जाये तो नॅशनल स्टॉक एक्सचेंज (एन. एस. इ) और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बी. एस. इ) ये दो एक्सचेंज है जिसमे ज्यादातर ट्रेडिंग होती रहेती है.

अभि हम एक उदाहरण देखते है जिसके जरीये हम ये समज लेंगे कि स्टोक्स किस तरह से स्टॉक एक्सचेंज पे लिस्ट होते है और उससे किस तरह से फायदा होता है.

मान लिजिए कि आपने एक नयी कंपनी शुरु कि है. पहले आप आपकी खुद कि कॅपिटल इन्व्हेस्ट करके उसे शुरु करते है. बादमे जब कंपनी कि ग्रोथ होती जायेगी तो आपको उसे बढ़ाने के लिये और पैसों कि जरूरत पढ़ेंगी. तो अब आप क्या करोगे? तो तरिका ये हो जाता है कि पार्टनर बढ़ाओ और उनसे पैसे लेकर कंपनी मे इन्व्हेस्ट करो. लेकिन कंपनी जैसे जैसे बढ़ती जाती है वैसे हि पैसों कि जरूरत भी बढ़ती जाती है. हम पार्टनर बढ़ाकर भी कितने बढ़ा सकते है. हम कुछ पार्टनर बढ़ाने के बाद रुक जाते है और अलग सोल्युशन ढूढने मे लग जाते है.

तो दुसरा सोल्युशन यहा पे ये हो जाता है कि हमारे कंपनी को स्टॉक एक्सचेंज पे लिस्ट किया जाये. तो हम क्या करते है स्टॉक एक्सचेंज पे जाकर हमारी कंपनी को लिस्ट करते है. जब हम पहिली बार स्टॉक एक्सचेंज पे हमारी कंपनी का स्टॉक लिस्ट करते है तो उसे आई. पी. ओ. (इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग) कहा जाता है. इसे हम प्रायमरी मार्केट भी कहेते है. यहा पे लोग आकर लिस्ट किये हुए स्टोक्स या शेअर्स खरीद लेते है. और वो जो पैसा रहेता है वो कंपनी को मिल जाता है.

अब कंपनी को पैसा मिल गया. वो अब वो पैसो के जरीये अपना बिसिनेस बढा सकते है. और जो लोग वो लिस्ट होचूका शेअर खरीदते है तो जब भी शेअर कि प्राईस बढती है तो उसका मुनाफा पब्लिक को होने लगता है. उसके साथ हि कंपनी बोनस या डिविडेंड देती रहेती है और उसका भी फायदा पब्लिक को होते रहेता है. तो इस तरह से कंपनी अपना बिसिनेस बढा सकती है. और पब्लिक भी अपना पैसा उस स्टॉक मे डालकर उससे भी फायदा ले सकती है.

जब वही शेअर फिर सेकण्डरी मार्केट मे आता है तो फिर वो स्टॉक एक्सचेंज पे रेग्युलरली ट्रेड होते रहेता है.

तो इस तरह से कंपनी स्टॉक एक्सचेंज पे लिस्ट होती है और उसमे ट्रेडिंग होती रहेती है. तो बेसिकली ये होता है स्टॉक मार्केट जहाँ पे शेअर्स खरीद या बेचे जाते है.



## 2.स्टॉक सिलेक्शन के तरिके

अब देखा जाये तो बहोत सारे शेअर्स स्टॉक मार्केट मे लिस्ट होते है. हमारी जिम्मेदारी इन्व्हेस्टर के तौर पे ये हो जाती है कि सही स्टॉक चुनले जो आगे जाकर अच्छा खासा रिटर्न हमे दे देगा.

तो स्टॉक सिलेक्शन के लिये बेसिकली लोग दो तरह के एनालिसिस करते है. उसमे एक रहेता है फंडामेंटल एनालिसिस और दुसरा टेक्निकल एनालिसिस.

फंडामेंटल एनालिसिस मे स्टॉक कि जो स्टडी कि जाती है वो उसके फायनान्सियल को देखकार कि जाती है. जैसे कि कंपनी कि प्रॉफिट लॉस स्टेटमेंट, बॅलेन्स शीट, नेट प्रॉफिट, रिजल्ट और ऐसी हि बहोत सारी चीजे देखी जाती है जो हमे कंपनी का फायनान्सियल स्टेटस बता देती है.

तो बहोत सारे लोग रहते है जो स्टॉक का सिलेक्शन कंपनी के फंडामेंटल्स को देखकर करते है.

लेकिन कभी कभी क्या हो जाता है कि, फंडामेंटल एनालिसिस करने के लिये हमे टाइम बहोत लग जाता है. क्यों कि हमे बहोत सारी चीजे देखनी पडती है.

तो दुसरा तरिका ये हो जाता है कि स्टॉक कि स्टडी टेक्निकल एनालिसिस का सहारा लेकर करना. टेक्निकल एनालिसिस याने स्टॉक कि स्टडी चार्ट को देखकर करना. याने हम स्टॉक का चार्ट ओपन करेंगे और उस चार्ट को समझलेने कि कोशिश करेंगे और उसके जरीये हम स्टॉक सिलेक्शन करेंगे.

स्टॉक चार्ट को समजने के बहोत सारे तरिके होते है. वो तारिके हम आने वाले चॅप्टर मे देखेंगे.

तो यहा पर हम इतना हि समज लेंगे कि हमे अगर स्टॉक का सिलेक्शन करना है तो हम या तो फंडामेंटल एनालिसिस का सहारा ले सकते है या तो टेक्निकल एनालिसिस का.

### 3. फंडामेंटल एनालिसिस

जब हमें स्टॉक सिलेक्शन करना होता है तो हम फंडामेंटल एनालिसिस का सहारा ले सकते हैं। वैसे तो किसी भी स्टॉक का फंडामेंटल एनालिसिस करते हैं तो उसमें बहुत सारी चीजें आ जाती हैं। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण जो होता है वो होता है कंपनी का फायनान्सियल स्टेटस। जैसे कि हमने कहा, किसी भी स्टॉक का फंडामेंटल एनालिसिस करना याने उस स्टॉक का या उस कंपनी का फायनान्सियल देखना। जब भी हम फायनान्सियल देखते हैं तो उसमें बहुत सारी चीजें आ जाती हैं। जैसे कि कंपनी का प्रॉफिट या लॉस, उस कंपनी की बैलेंस शीट, उस कंपनी के ऊपर कर्जा कितना है वो देखना, उसी तरह से कंपनी के जो रेग्युलरली रिजल्ट आते रहते हैं उसे देखना और उसकी स्टडी करना। उसी तरह से हम कंपनी की मैनेजमेंट को भी देखते हैं। कि किस तरह के लोग कंपनी को चला रहा है। उन लोगों का कंपनी में कितना हिस्सा है। कंपनी में प्रोमोटर्स होल्डिंग कितनी है। और ऐसे ही बहुत सारी चीजें रहती हैं उसे देखना पड़ता है।

जनरली जब हमें स्टॉक को लॉन्ग टर्म के लिये खरीदना होता है तो हम फंडामेंटल एनालिसिस को प्रेफर करते हैं। अगर हमें स्टॉक को शॉर्ट टर्म के लिये या इंट्राडे के लिये खरीदना है तो हमें स्टॉक चार्ट्स देखने पड़ते हैं। याने कि हमें टेक्निकल एनालिसिस करना पड़ता है। टेक्निकल एनालिसिस किस तरह से करते हैं वो हम आने वाले चैप्टर में देखेंगे।

अभी हम एक इग्झाम्पल के तौर पे देखते हैं कि स्टॉक का फंडामेंटल एनालिसिस किस तरह से किया जाता है।

मान लीजिए कि हम एक कंपनी का शेयर खरीद लेना चाहते हैं। उस कंपनी का नाम है एक्स. वाय. झेड. अब वो शेयर खरीदने से पहिले हमें उसका फंडामेंटल एनालिसिस करना है।

हम पाहिले उसकी मार्केट कैपिटल देखेंगे और उससे समझने कि कोशिश करेंगे कि वो कंपनी स्मॉल कॅप मे आती है, मिड कॅप मे या लार्ज कॅप मे. जब हम उसका मार्केट कैपिटल देखेंगे तो हमे पता लग जायेगा कि वो स्मॉल कॅप है, मिड कॅप है या लार्ज कॅप. जनरली जो वेल इस्टैब्लिशड कंपनीज होते है वो लार्ज कॅप मे आते है.

जो आगे जाकर अपना बिसिनेस ग्रो करेंगे वो मिड कॅप मे आ जाते है.

और जो कंपनीज उनका बिसिनेस स्टार्ट हि करते है और उनको जादा समय मार्केट मे नही हुआ होता वो स्मॉल कॅप मे आते है.

वैसे हि मार्केट कैपिटल कि फिगर देखकर भी हम पता कर सकते है कि वो स्मॉल कॅप मे आती है, मिड कॅप मे या लार्ज कॅप मे.

अभी एक बार हमे पता जग जाये कि वो स्मॉल कॅप है, मिड कॅप है या लार्ज कॅप है तो हम उसके उपर डिसाईड कर सकते है कि हमे वो स्टॉक खरीदना है या नाही.

लेकिन उतना हि काफी नही हो जाता स्टॉक को खरीदने के लिये. तो हमे और भी चीजे देखनी पडती है.

तो हम कंपनी के फायनान्सिअल्स देखेंगे जैसे कि कंपनी कि प्रॉफिट लॉस स्टेटमेंट, बॅलेन्स शीट, कंपनी के जो रेग्युलर्ली रिजल्ट आते है उसे भी हम ट्रॅक करेंगे. मान लीजिये कि वो कंपनी बहोत सारे सालों से प्रॉफिट मे है और उसका प्रदर्शन भी अच्छा खासा है तो हम उस कंपनी को प्रेफर करेंगे.

उसी के साथ हम कंपनी के उपर कर्जा कितना है वो देखेंगे. अगर कंपनी के उपर ज्यादा कर्जा रहेगा तो बाद मे उस कंपनी मे नुकसान होने कि संभावना हो जाती है. तो अगर

कंपनी के उपर जादा कर्जा रहेगा तो हम उसे अव्हाइड करेंगे. और अगर उस कंपनी के उपर जादा कर्जा नहीं होगा तो हम उसे प्रेफर करेंगे.

दुसरी महत्वपूर्ण बात ये हो जाती है कि वो कंपनी डिब्टिड देती है या नहीं. अगर कंपनी डिब्टिड देती है तो समझलीया जाता है कि वो कंपनी अच्छा खासा प्रदर्शन दिखा रही है. और कंपनी को जो भी प्रॉफिट हो रहा है उसमे से हिस्सा लोगों को भी डिब्टिड के रूप मे दे रही है. तो ये एक अच्छी बात हो जाती है. तो कंपनी अगर डिब्टिड देती होगी तो हम उसे प्रेफर करेंगे.

तो हमने यहा पे संक्षिप्त मे देखा कि अगर कोई स्टॉक को फंडामेंटल एनालिसिस का सहारा लेकर सिलेक्ट करना है तो हमे क्या क्या देखना पडता है.

फंडामेंटल एनालिसिस इतना हि नहीं है, इसमे भी बहोत सारी बाते आ जाती है. लेकिन बेसिक के लिये और पहचान होने के लिये हमने इतना कव्हर किया है.

हमारे बुक का मेन टॉपिक टेक्निकल एनालिसिस है. इसलिये हम उसपे ज्यादा ध्यान देंगे.

तो चलिये आने वाले चॅप्टर मे हम समजते है कि टेक्निकल एनालिसिस होता क्या है.

## 4.टेक्निकल एनालिसिस



पिछले चॅप्टर मे हमने फंडामेंटल एनालिसिस होता क्या है ये देखा. इस चॅप्टर मे हम देखेंगे टेक्निकल एनालिसिस क्या होता है और उसका इस्तेमाल करके हम स्टॉक किस तरह से सिलेक्ट करते है.

देखा जाये तो टेक्निकल एनालिसिस याने स्टॉक कि स्टडी चार्ट देखकर करना. फंडामेंटल एनालिसिस मे हम स्टॉक कि स्टडी फायनान्सिअल्स को देखकर करते थे लेकिन टेक्निकल एनालिसिस मे हम स्टॉक कि स्टडी चार्ट को देखकर करेंगे.

हम ऐसे भी कहे सकते है कि स्टॉक चार्ट्स एक रूपांतरण होते है कंपनी के फंडामेंटल्स का. याने कि जो कंपनी मे हो रहा है वही चार्ट पे दिखेगा. और वही चार्ट को देखकर हम समझ पायेंगे कि कंपनी अच्छी तरह से काम कर रही है या नही.

वैसे तो अलग अलग तरह के चार्ट्स होते है जैसे की लाईन चार्ट, कॅंडलस्टिक चार्ट. हमारे चार्ट स्टडी मे हम ज्यादातर कॅंडलस्टिक चार्ट का हि इस्तेमाल करेंगे.

सिम्पल सा तरिका ये हो जाता है की जब हम चार्ट को देखते है और हमे चार्ट उपर जाते हुए दिखता है तो हम कहते है की स्टॉक की प्राईस बढ रही है और कंपनी अच्छी तरह से काम कर रही है. अगर उस तरह का सिनॅरिओ हमे दिखता है तो हम कहेंगे की वो स्टॉक उसके अपट्रेन्ड मे काम कर रहा है.

उसका हि उलटा ये होता है की हम जब स्टॉक का चार्ट देखते है और वो नीचे जाते हुए दिखता है तो हम कहेंगे की कंपनी अच्छी तरह से काम नही कर रही है और उसकी वजह से स्टॉक की प्राइसेस नीचे जा रही है. याने की वो कंपनी उसके डाऊन ट्रेन्ड मे काम कर रही है.

और कभी कभी ऐसा भी होता है की कोई कंपनी या स्टॉक का चार्ट ना उपर जाता है ना नीचे जाता है, लेकिन एक रेंज मे ट्रेड होते रहेता है तब हम कहेंगे की कंपनी ना बहोत अच्छा

काम कर रही है ना बहोत बुरा. वो जैसे कल थी वैसे हि आज भी है और उसकी वजह से उसकी प्राईस ना उपर जा रही है ना नीचे. तो उस तरह के स्टॉक चार्ट को या कंपनी को हम कहेंगे की वो उसके साईडवे ट्रेंड मे काम कर रही है.

अच्छी तरह से समझने के लिये हम चार्ट का सहारा ले लेंगे.



फिगर :- एच.डी. एफ. सी. बैंक मंथली कैंडलस्टिक चार्ट

हमने यहा पे एच.डी. एफ. सी. बैंक का मंथली कैंडलस्टिक चार्ट लिया है. अभी कैंडलस्टिक चार्ट होता क्या है हम आगे जाकर देखेंगे. यहा पे इतना हि देखेंगे की उपर दि गयी फिगर मे स्टॉक का चार्ट कन्टीनुस्ली उपर हि जा रहा है. याने के हम कहेंगे की वो स्टॉक

उसके अपट्रेन्ड में काम कर रहा है. याने की हम कहेंगे की कंपनी अच्छी तरह से काम कर रही है. और उसके प्राइसेस कन्टीनुअली बढ़ रहे हैं.



फिगर :- सन फार्मा विकली कैंडलस्टिक चार्ट

अभी सन फार्मा की फिगर देख लीजिए. यहाँ पे ये समझ में आ रहा है की ये स्टॉक कन्टीनुअली नीचे जा रहा है. उसके प्राइसेस नीचे जा रहे हैं. याने की ये स्टॉक उसकी डाऊन ट्रेंड में काम कर रहा है. जब भी कोई स्टॉक उसके डाऊन ट्रेंड में काम करता है तो इसका

मतलब ये हो जाता है की कंपनी मे कूच तो प्रॉब्लेम है और उसकी वजह से उसमे गिरावट आ रही है. अगर कोई इस तरह का स्टॉक हमे मिले तो हम उसे अन्हॉइड करेंगे.



फिगर :- आय. टी. सी. डेली कैंडलस्टिक चार्ट

अब हम उपर दि गयी आय. टी. सी. के चार्ट को देख सकते है. यहा पे स्टॉक ना उपर जा रहा है ना नीचे. याने कि स्टॉक ना तो अपट्रेन्ड मे है, ना तो डाऊन ट्रेड मे. चार्ट को देखकर ऐसा समझ मे आता है कि स्टॉक एक हि रेंज मे बहोत दिनो से काम कर रहा है. जब कोई स्टॉक एक हि रेंज मे बहोत दिनो के लिये काम करता है तो हम कहेंगे कि स्टॉक उसके साईड वेज ट्रेड मे काम कर रहा है. अगर हमे इस तरह का कोई स्टॉक मिलता है तो भी हम उसमे

ट्रेड करना अक्वाइड करेंगे. जब हमें उसकी क्लिअर डिरेक्शन पता लग जायेगी तब हि हम उसमे ट्रेड ले लेंगे.

तो यहां पे हमने बेसिक ट्रेण्ड्स के बारे मे देख लिया. वैसे तो टेक्निकल एनालिसिस मे बहोत सी चीजे आ जाती है. लेकिन हम यहां पे इतना हि देखेंगे.

## 5.टेक्निकल एनालिसिस के फायदे

इस चैप्टर में हम टेक्निकल एनालिसिस के फायदे देखेंगे.

पहिले हम कम्पेअर करेंगे टेक्निकल एनालिसिस को फंडामेंटल एनालिसिस से. फंडामेंटल एनालिसिस करने के लिये हमें बहुत सारा टाइम लग जाता है. क्योंकि फंडामेंटल एनालिसिस करने के लिये हमें उस कंपनी के फायनान्सिअल्स देखने पड़ते हैं. जैसे की उसकी बैलेंस शीट, प्रॉफिट लॉस स्टेटमेंट, कंपनी का कर्जा और बहुत सारी और इन्फॉर्मेशन देखनी पड़ती है. तो वो देखने के लिये बहुत सारा टाइम लग जाता है.

लेकिन जब हम टेक्निकल एनालिसिस करते हैं तो हमें खाली उस स्टॉक का चार्ट देखना पड़ता है. और चार्ट देखने के लिये हमें ज्यादा टाइम नहीं लगता. हम कुछ ही सेकंड में कंपनी का चार्ट देख सकते हैं और उसे समझ भी सकते हैं.

तो पहिला फायदा ये हो जाता है की हमारा बहुत सारा टाइम बच जाता है जब हम टेक्निकल एनालिसिस करते हैं.

उसी तरह से जब हमें स्टॉक शॉर्ट टर्म के लिये या इंट्राडे के लिये लेना हो तो उसमें फंडामेंटल्स को उतना देखने की जरूरत नहीं होती. हम खाली टेक्निकल एनालिसिस करके भी स्टॉक सिलेक्शन कर सकते हैं.

स्टॉक में जो शॉर्ट टर्म मूव्ह आते रहते हैं उसे भी हम चार्ट को देखकर पहचान सकते हैं और उसका फायदा ले कर हम ट्रेडिंग कर सकते हैं.

हम टेक्निकल एनालिसिस करके ट्रेंड का अच्छी तरह से आयडेंटिफिकेशन कर सकते हैं.

जब हम शॉर्ट टर्म के लिये ट्रेडिंग करते हैं तो हमें चार्ट के सहारे आसानीसे एंट्री और एक्जिट पॉइंट पता चल जाता है.

और चार्ट एक ऐसा जरिया होता है जिसके जरीये हम कंपनी की बहोत सारी इन्फॉर्मेशन ले सकते हैं.

और उसके हिसाब से हम डिसिजन मेकिंग कर सकते हैं.

ऐसे हि बहोत सारे फायदे टेक्निकल एनालिसिस से हमें होते हैं.



## ६. चार्ट पॅटर्न्स

अब तक हमने टेक्निकल एनालिसिस के बारे में बेसिक इन्फॉर्मेशन देख ली. इस चैप्टर में हम चार्ट पैटर्न्स के बारे में देखेंगे.

चार्ट पैटर्न्स एक इस तरह के शेप्स रहते हैं जो चार्ट के ऊपर बनते रहते हैं.

जिस तरह का शेप बनेगा उस तरह का नाम उसे दिया जाता है. जैसे कि मानले फ्लैंग जैसा एक शेप चार्ट पे बनेगा तो हम उसे फ्लैंग पैटर्न कहेंगे.

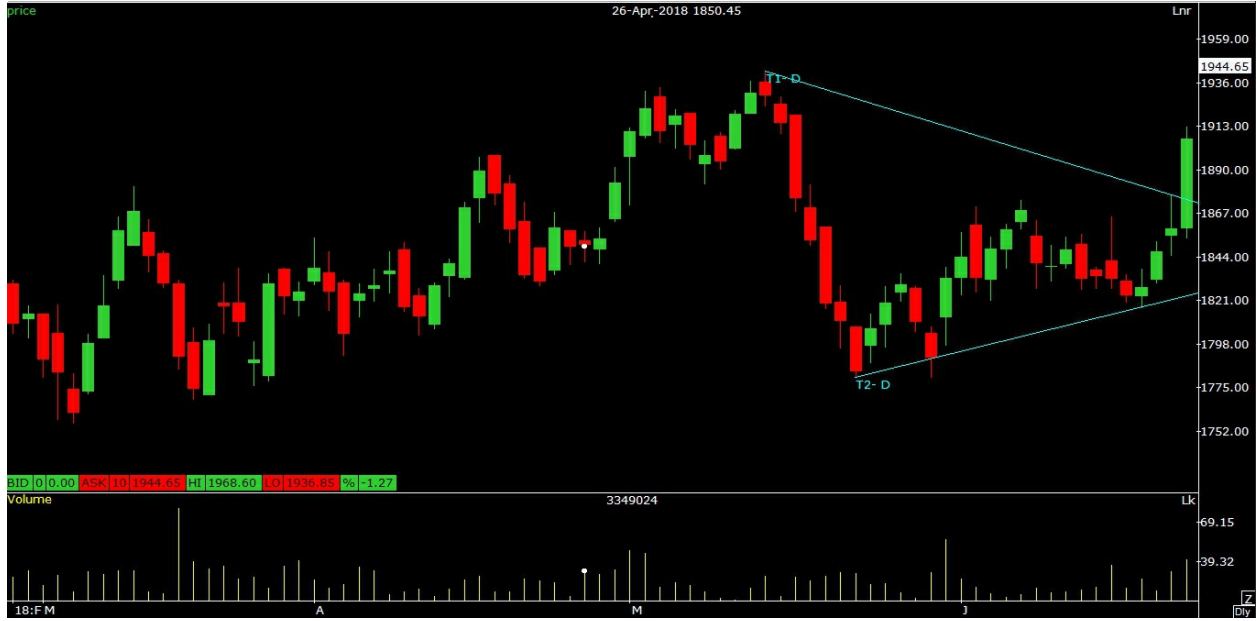
तो इसी तरह से बहुत सारे पैटर्न्स रहते हैं. हम इस चैप्टर में अलग अलग तरह के पैटर्न्स देखेंगे और उस पैटर्न्स को चार्ट पे किस तरह से देखना है और फिर उसकी स्टडी करके उसमें किस तरह से ट्रेड लेना है वो देखेंगे.

उसके हि साथ टारगेट और स्टॉप लॉस किस तरह से कैल्कुलेट करना है उसकी भी जानकारी हम ले लेंगे.

१. ट्रैंग्यूलर पैटर्न: -

एक इस तरह का पैटर्न जो चार्ट पे बनेगा और वो देखने में ट्रैंगल जैसा लगेगा उसे हम ट्रैंग्यूलर पैटर्न कहेंगे.

इसे हम चार्ट पे हि समझलेने कि कोशिश करते हैं तो अच्छी तरह से समझ आयेगा.



फिगर :- एच.डी. एफ. सी. डेली कैंडलस्टिक चार्ट

(ब्रेक आउट डेट 22 जून 2018)

फिगर मे हमने एच. डी. एफ. सी. का डेली कैंडलस्टिक चार्ट लिया है.

हमने चार्ट पे ट्रेड लाईन्स का इस्तेमाल करके एक ट्रैंगल जैसा पॅटर्न बनाया है.

अब हम चार्ट पे वो पॅटर्न देखेंगे तो वो ट्रैंगल जैसा दिख रहा है इसलिये हम इसे ट्रैंग्यूलर पॅटर्न कहेंगे.

ये स्टॉक कन्टीनुअली ट्रेंगल के अंदर ट्रेड कर रहा था लेकिन 22 जून 2018 को ये स्टॉक ट्रेंगल को ब्रेक करके बाहर आगया. हम बड़ी वाली कैंडल देख सकते हैं जो ट्रेंगल से बाहर आ चुकी है. जब भी बड़ी कैंडल अच्छे वोल्युम के साथ पैटर्न से बाहर आती है तो इसका मतलब ये हो जाता है कि स्टॉक उस दायरे से अभी बाहर आया है और अब उसी दिशा में वो ट्रेड करेगा. उस बड़ी वाली कैंडल को हम ब्रेक आऊट कैंडल भी कह सकते हैं.

जब इस तरह का स्टॉक हमें मिलता है तो वो एक हमारे लिये ऑपॉर्च्युनिटी बन जाती है उसमें ट्रेड करने कि.

तो अब देखेंगे कि हम उसमें किस तरह से ट्रेड कर सकते हैं.

अभी ट्रेंगल के रूल के हिसाब से जब भी हमारा स्टॉक ब्रेक आऊट वाले कैंडल के हाई उपर ट्रेड करेगा तो हम उसमें पोजिशन बना लेंगे.

ट्रेंगल कि हाईट हमारा टारगेट रहेगा. वो हाईट हम ब्रेक आऊट लेवल से कैलकुलेट करेंगे.

और हमारा स्टॉप लॉस ब्रेक आऊट कैंडल का लो रहेगा. (हमारी ब्रेक आऊट कैंडल कि डेट है 22 जून 2018)

अब हम मॅथेमॅटिकली उसे कैलकुलेट करते हैं.

हम स्टॉक बाय करेंगे ब्रेक आऊट कैंडल के हाई के उपर.

ब्रेक आऊट कैंडल का हाई है 1912.70. तो जब भी स्टॉक इस व्हॅल्यू के उपर ट्रेड करेगा तो हम उसे खरीद लेंगे.

स्टॉप लॉस हमारा ब्रेक आऊट कैंडल का लो रहेगा. तो ब्रेक आऊट कैंडल का लो है 1853.80. तो उसके थोड़ा नीचे याने कि 1853.

और टारगेट के लिये हम ट्रिंगल कि हाईट कैल्कुलेट करेंगे. हाईट के लिये हम ट्रिंगल के उपर कि लेफ्ट वाली कैंडल का हाई ले लेंगे और उसमे से हम नीचे कि लेफ्ट वाली कैंडल का लो सबट्रैक्ट करेंगे.

तो उपर वाली लेफ्ट कैंडल है 15 मे 2018 कि. और नीचे वाली लेफ्ट कैंडल है 23 मे 2018 कि.

तो 15 मे 2018 का हाई है 1941.90. और 23 मे 2018 का लो है 1780.05.

तो ट्रिंगल कि हाईट =  $1941.90 - 1780.05 = 161.85$

अब ये हाईट हम ब्रेक आऊट के लेव्हल पे ऍड करेंगे.

ब्रेक आऊट लेवल हम जहाँ पे कैंडल पेनिट्रेट हुई थी वो ले लेंगे.

तो टारगेट = ब्रेक आऊट लेवल + ट्रिंगल हाईट

$$= 1876 + 161.85 = 2037.85$$

तो हमारा टारगेट हो जाता है 2037.85.

तो हम बाय करेंगे लगभग 1913 के उपर.

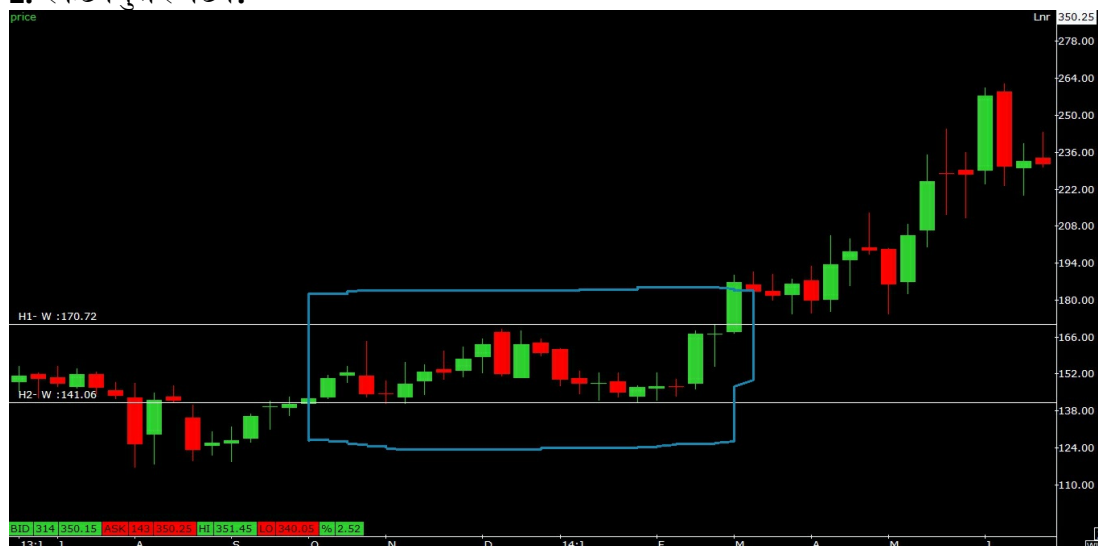
हमारा स्टॉप लॉस रहेगा 1853.

और हमारा टारगेट हो जाता है 2037.85.

तो आप देख सकते है 27 जुलै 2018 मे स्टॉक ने 2049.95 का हाई बना दिया. और हमारा टारगेट भी आ गया.

तो इस तरह से हम ट्रैंग्यूलर पैटर्न ढुंढते हैं और ऊपर बताये गये तरीके से हम उसमें ट्रेडिंग करते हैं.

## 2. रिकटैंगुलर पैटर्न: -



फिगर :- अदानी पोर्ट्स विकली चार्ट

(ब्रेक आऊट डेट 07 मार्च 2014)

फिगर में हमने अदानी पोर्ट्स का विकली चार्ट लिया है. जो ड्युरेशन हमने सिलेक्ट किया है वो ऑक्ट 2013 से लेकर मार्च 2014 का है.

अगर आप उपर वाली फिगर को अच्छी तरह से देखेंगे तो आप को पता लग जायेगा कि स्टॉक कन्टीनुस्ली एक रेंज में काम कर रहा था. उस रेंज को जब हमने ट्रेड लाईन्स के सहारे ड्रा किया तो वो हमें रेकटनगुलर पॅटर्न जैसा दिखा. इसलिये हम इसे रेकटनगुलर पॅटर्न कहेंगे.

अब कोई भी स्टॉक जब रेकटनगुलर पॅटर्न में ट्रेड करेगा और फिर उससे बाहर आयेगा तो वो हमारे लिये एक ऑपॉर्ट्युनिटी बन जाती है उसमें ट्रेड करने कि.

तो हम अब देखेंगे कि रेकटनगुलर पॅटर्न में अगर ब्रेक आऊट मिलता है तो उसमें किस तरह से ट्रेड किया जाता है.

अब पहिले हम पॅटर्न किस तरह से बना था वो देखेंगे. तो हमारा पॅटर्न 04 ऑक्ट 2013 से लेकर 07 मार्च 2014 के पिरिड में बना था. ये विकली चार्ट है इसलिये हमारा ड्युरेशन यहा पे बड़ा है.

जब ये पॅटर्न बना तो हमें पता लग गया कि ये रेकटनगुलर पॅटर्न बना है. हमने ब्रेक आऊट का इंतजार किया. पॅटर्न का ब्रेक आऊट हमें 07 मार्च 2014 में मिला.

जब हमें ब्रेक आऊट क्लोजिंग बेसिस पे मिलेगा तब हम उसमें ट्रेडिंग करने का सोचेंगे. यहा पे हमने विकली चार्ट लिया है तो हमें क्लोजिंग विकली बेसिस पे चाहिये. अगर चार्ट डेली रहेगा तो क्लोजिंग डेली बेसिस पे होनी चाहिये. तो हमें यहा पे क्लोजिंग विकली बेसिस पे मिली है. तो हम इसमें ट्रेड ले लेंगे.

तो ट्रेडिंग करने के लिये हमें ब्रेक आऊट कॅडल का हाई ब्रेक होने का इंतजार करना है. जब भी ब्रेक आऊट कॅडल का हाई ब्रेक होगा तो हम उसमें पोसिशन बना लेंगे. ब्रेक आऊट कॅडल ०७ मार्च 2014 (विकली कॅडल) का हाई है 189.70. तो जब भी स्टॉक इसके उपर याने कि लगभग 190 पे जायेगा तो हम इसमें पोसिशन बना लेंगे.

हमारा स्टॉप लॉस रहेगा ब्रेक आऊट कैंडल का लो. तो 07 मार्च 2014 का लो है 167.40. तो हम स्टॉप लॉस उसके थोड़ा नीचे रखेंगे. तो हमारा स्टॉप लॉस हो जाता है 167.

और टारगेट के लिये हम रेक्टैंगल कि हाईट कैलकुलेट करेंगे. जितनी भी उसकी हाईट रहेगी वो हम ब्रेक आऊट लेवल पे एंड करेंगे.

तो हाईट कैलकुलेट करने के लिये हम रेंज मे जो हायर हाई वाली कैंडल है उसका हाई ले लेंगे. और जो लोवर लो वाली कैंडल है उसका लो ले लेंगे.

तो हायर हाई वाली कैंडल है 28 फेब 2014 कि (विकली चार्ट). और उसका हाई है 170.70.

और लोवर लो वाली कैंडल है 03 नॉव्ह 2013 कि (विकली चार्ट). और उसका लो है 140.85.

तो पहिले हम रेक्टैंगल कि हाईट कैलकुलेट करेंगे.

रेक्टैंगल हाईट =  $170.70 - 140.85 = 29.85$

अब ये हाईट हम ब्रेक आऊट लेवल पे एंड करेंगे.

हमारी ब्रेक आऊट लेवल है 170.70. (जहाँ पे हमारी कैंडल पेनिट्रेट हुई थी.)

तो हमारा फायनल टारगेट रहेगा.

टारगेट = ब्रेक आऊट लेवल + हाईट ऑफ रेक्टैंगल

$$= 170.70 + 29.85$$

$$= 200.55$$



तो हम इस स्टॉक को बाय करेंगे 190 पे.

हमारा स्टॉप लॉस रहेगा 167.

और हमारा टार्गेट रहेगा 200.55.

तो इस तरह से हम रेक्टैंगुलर पैटर्न में ट्रेड करते हैं.

और आप चार्ट पे देख सकते हैं 13 जून 2014 विकली कैंडल पे स्टॉक ने 261.80 का हाई बनाया.

याने कि हमारा टार्गेट तो हिट हुआ लेकिन उसके साथ ही स्टॉक उससे भी कहीं ज्यादा ऊपर चला गया.

एक और बात, यहाँ पे हमारा रिस्क रिवॉर्ड रेशो उतना अच्छा नहीं था लेकिन फिर भी स्टॉक बाद में इतना ऊपर चला गया कि हमारा रिस्क रिवॉर्ड रेशो अच्छा हो गया.

### 3. फ्लैग पैटर्न: -



फिगर : - सिमेन्स विकली चार्ट

(ब्रेक आऊट डेट 23 जान 2015)

अब जो हम पैटर्न देखेंगे उसे फ्लैग पैटर्न कहेंते हैं. क्यूँकि जो पैटर्न चार्ट पे बन जाता है वो फ्लैग जैसा दिखता है.

फिगर मे हमने सिमेन्स का विकली चार्ट लिया है. आप फिगर मे देख सकते है कि ये पॅटर्न किस तरह से बना है.

अब हम देखेंगे कि अगर हमे फ्लॅग पॅटर्न चार्ट पे दिख जाता है तो हम उसमे किस तरह से ट्रेडिंग कर सकते है.

तो पहिले हम बाय का देखेंगे. अगर हमे फ्लॅग पॅटर्न पे ट्रेड करना है तो हम पहिले ब्रेक आऊट का इंतजार करेंगे. जब ब्रेक आऊट हो जाये तो हम फिर बाय करने का सोचेंगे.

बाय करने के लिये हमे ब्रेक आऊट कॅडल का हाई ब्रेक होने का इंतजार करना पडेगा.

अभी उपर वाली फिगर मे ब्रेक आऊट हुआ था 23 जान 2015 मे (विकली चार्ट पे). और उसका हाय था 1043.85. तो हम उसके थोडा उपर याने कि 1044 पे स्टॉक को बाय करेंगे.

हमारा स्टॉप लॉस रहेगा ब्रेक आऊट वाली कॅडल का लो. और ब्रेक आऊट कॅडल 23 जान 2015 का लो है 950.15. तो हमारा स्टॉप लॉस रहेगा उसके थोडा नीचे. याने कि हमारा स्टॉप लॉस हो जायेगा 950.

अब हम देखेंगे कि हमे टार्गेट किस तरह से कॅल्कुलेट करना है.

तो टार्गेट कॅल्कुलेट करने के लिये हम फ्लॅग का जो पोल है उसकी हाईट कॅल्कुलेट करेंगे और उसे हम ब्रेक आऊट लेवल पे ऍड करेंगे. (ब्रेक आऊट लेवल याने जहा पे फ्लॅग कि अप्पर ट्रेंड लाईन थी और हमारे स्टॉक ने उसे ब्रेक आऊट दे दिया.)

हाईट कैल्कुलेट करने के लिये हम फ्लैंग पोल कि हायर कैंडल का हाई ले लेंगे और उसमेसे फ्लैंग पोल कि लोवर कैंडल का लो मायनस करेंगे.

तो फ्लैंग पोल कि हायर कैंडल है 30 मे 2014 कि. और उसका हाई है 989.95.

और फ्लैंग पोल कि लोवर कैंडल है 31 जान 2014 कि और उसका लो है 513. तो अब हम हाय मे से लो को मायनस करेंगे.

फ्लैंग हाईट = फ्लैंग पोल हाय - फ्लैंग पोल लो

$$= 989.95 - 513$$

$$= 476.95$$

तो ये हो गयी हमारी फ्लैंग पोल कि हाईट.

अब हम ये हाईट को ब्रेक आऊट लेवल पे एंड करेंगे तो हमारा टार्गेट आ जायेगा.

टार्गेट = ब्रेक आऊट लेवल + फ्लैंग हाईट

$$= 972 + 476.95$$

$$= 1448.95$$

तो आप देख सकते है कि 13 मार्च 2015 विकली चार्ट पे स्टॉक ने 1500 का हाई बना दिया.

तो इस तरह से हम फ्लैंग पॅटर्न का इस्तेमाल करके ट्रेड करते है.

#### 4. राउंडिंग बॉटम पैटर्न: -



फिगर : - हिंदुस्थान युनिलिव्हर लिमिटेड डेली चार्ट

(ब्रेक आऊट डेट 10 मे 2017)

अब हम देखेंगे राउंडिंग बॉटम पैटर्न क्या होता है और उसमे किस तरह से ट्रेडिंग कि जाती है.

उपर दि गयी फिगर मे हमने हिंदुस्थान युनिलिव्हर का डेली चार्ट लिया है. अगर आप ड्रॉ किया हुआ पॅटर्न देखेंगे तो आपको पता लग जायेगा कि जब कोई स्टॉक ट्रेड करते समय चार्ट पे राऊंड जैसा पॅटर्न क्रिएट करता है तो उसे राऊंडिंग बॉटम कहते है. जब कोई स्टॉक इस पॅटर्न से बाहेर आए तो हम कहेंगे कि राऊंडिंग बॉटम पॅटर्न ब्रेक आऊट हुआ है.

अब हम देखेंगे इसमे ट्रेड किस तरह से करते है.

ये जो पॅटर्न बना था वो 08 सप्टें 2016 से लेकर 10 मे 2017 के बीच बना था. और 10 मे 2017 के दिन ब्रेक आऊट हुआ था.

अब पॅटर्न के रुल के हिसाब से हम ब्रेक आऊट कॅंडल के हाई के उपर बाय करेंगे. तो ब्रेक आऊट कॅंडल 10 मे 2017 का हाय है 999. तो हम जब भी स्टॉक 999 के उपर ट्रेड करता है तो हम बाय करेंगे. याने कि 1000 के आसपास हम बाय करेंगे.

हमारा स्टॉप लॉस रहेगा ब्रेक आऊट कॅंडल 10 मे 2017 के लो के थोडा नीचे. अब इसका लो है 954.10. तो हमारा स्टॉप लॉस रहेगा 954.

और टारगेट के लिये हम राऊंडिंग बॉटम कि हाईट कैल्कुलेट करेंगे और उसे ब्रेक आऊट लेवल पे एंड करेंगे.

राऊंडिंग बॉटम हाईट = हाई ऑफ राऊंडिंग बॉटम हाई कॅंडल - लो ऑफ राऊंडिंग बॉटम लो कॅंडल

$$= 953.60 (08 \text{ सप्टें } 2016) - 781.95 (23 \text{ दिस } 2016)$$

$$= 171.65$$

टारगेट = ब्रेक आऊट लेवल + राऊंडिंग बॉटम हाईट

$$= 953.60 + 171.65$$

$$= 1125.25$$

तो हम स्टॉक को बाय करेंगे लगभग 1000 के आसपास.

हमारा स्टॉप लॉस रहेगा 954.

और हमारा टार्गेट हो जाता है 1125.25.

तो आप चार्ट पे देख सकते है. 31 ऑग 2017 को स्टॉक ने 1222.80 का हाई बना दिया.

तो इस तरह से हम राउंडिंग बॉटम पैटर्न पे ट्रेड करते है.

तो इस तरह से हम पैटर्न्स ढुंडते है और उसमे ट्रेडिंग करते है.

वैसे तो बहुत सारे पैटर्न्स होते है लेकिन इस बुक मे हमने जितने कव्हर किये है वो ज्यादा से ज्यादा बार चार्ट पे बनते रहते है और उनका सक्सेस रेशो भी अच्छा है. और अगर आप इनिशियल लेव्हल पे इतने भी पैटर्न्स प्रॅक्टिस करेंगे तो भी आप अच्छा खासा पैसा मार्केट से कमा सकते है.

अगले चॅप्टर मे हम देखेंगे कि किस तरह से हम टेक्निकल इंडिकेटर्स का युज करते है.

## 7.टेक्निकल इंडिकेटर्स



टेक्निकल इंडिकेटर्स एक तरह के मैथेमैटिकल कैल्क्युलेशन्स होते हैं जो ग्राफिकल रूप में चार्ट पे ड्राँ होते हैं। टेक्निकल इंडिकेटर्स का सहारा हम हमारे ट्रेड को कन्फर्म करने के लिये लेते हैं। जैसे कि अगर हमारा कोई ट्रेड है और उसमें हमें कन्फयुजन है तो हम टेक्निकल इंडिकेटर्स का सहारा ले सकते हैं और उससे हम हमारे ट्रेड को कन्फर्म कर सकते हैं।

इस चैप्टर में हम कुछ इम्पोर्टेंट टेक्निकल इंडिकेटर्स देखेंगे जो बहुत लोग अपने ट्रेडिंग में यूज करते हैं और जिसका सक्सेस रेशो भी अच्छा है।

### 1. मूविंग एवरेज: -

मूविंग एवरेज एक इस तरह का टेक्निकल इंडिकेटर है जिसे लोग अपने ट्रेडिंग में इस्तेमाल करते हैं। वैसे तो अलग अलग तरह के मूविंग एवरेज रहते हैं। जैसे कि सिम्पल मूविंग एवरेज, एक्सपोनेन्शियल मूविंग एवरेज। इन दोनों मूविंग एवरेज का अपना अपना अलग कैल्क्युलेशन है। ट्रेडर्स अपने हिसाब से इसका इस्तेमाल अपने ट्रेडिंग में करते हैं।

यहाँ पे हम सिम्पल मूविंग एवरेज का एग्जाम्पल लेते हैं और उससे समझने कि कोशिश करते हैं कि मूविंग एवरेज किस तरह से वर्क होते हैं।



### फिगर : - एशियन पेंट डेली चार्ट

यहा पे फिगर मे हमने एशियन पेंट का डेली कँडल स्टिक चार्ट लिया है. और उस चार्ट पे हमने एक सिम्पल मुविंग एव्हरेज ड्रॉ किया है. यहा पे जो सिम्पल मुविंग एव्हरेज है उसकी व्हॅल्यू हमने सिलेक्ट कि है ५० की.

याने कि जो ग्रीन लाईन हमे चार्ट के उपर दिख रही है वो बनी है पिछले ५० दिन के क्लोजिंग प्राइसेस के एव्हरेज कि.

अभी एक ५० सिम्पल मुविंग एव्हरेज का रूल है की अगर कोई स्टॉक ५० सिम्पल मुविंग एव्हरेज के उपर ट्रेड कर रहा है तो समझा जाता है की वो स्टॉक उसके शॉर्ट टर्म के अपट्रेन्ड में काम कर रहा है. और अगर कोई स्टॉक ५० सिम्पल मुविंग एव्हरेज के नीचे ट्रेड कर रहा है तो इसका मतलब ये हो जाता है की वो स्टॉक उसके शॉर्ट टर्म के डाऊन ट्रेड में काम कर रहा है.

तो इस तरह से हम ५० सिम्पल मुविंग एव्हरेज का इस्तेमाल कर के देख सकते हैं की स्टॉक उसके अपट्रेन्ड में है या डाऊन ट्रेड में. और उसे देखते हुए हम हमारा ट्रेड कन्फर्म कर सकते हैं.

५० सिम्पल मुविंग एव्हरेज एक अच्छा सपोर्ट और रजिस्टन्स भी माना जाता है.

और भी अलग व्हैल्यूज लेकर हम मुविंग एव्हरेज ड्रॉ कर सकते हैं.

तो इस तरह से हम मुविंग एव्हरेज का इस्तेमाल अपनी ट्रेडिंग में करते हैं.

२. रिलेटिव्ह स्ट्रेंथ इंडेक्स: -

रिलेटिव्ह स्ट्रेंथ इंडेक्स एक ऐसा इंडिकेटर है जो हमें स्टॉक के ओव्हरबॉट और ओव्हरसोल्ड लेव्हल्स बता देता है. रिलेटिव्ह स्ट्रेंथ इंडेक्स के रूल के हिसाब से जब कोई स्टॉक ३० के आसपास रहेगा तो हम कहेंगे की स्टॉक उसके ओव्हरसोल्ड रिजन में काम कर रहा है. याने वो सस्ता है और वहा से उसके प्राइसेस बढ़ने की संभावना रहेती है.

और जब कोई स्टॉक ७० के आसपास ट्रेड करेगा तो हम कहेंगे की स्टॉक उसकी ओव्हरबॉट रिजन में काम कर रहा है. याने की वो महंगा है और वहा से उसके प्राइसेस कम होने की संभावना हो जाती है.



फिगर: - बजाज ऑटो डेली चार्ट (डेट :- ३० जाने २०१९)

उपर दि गयी फिगर मे हमने बजाज ऑटो का डेली चार्ट लिया है. चार्ट के नीचे हमने रिलेटिव्ह स्ट्रेंथ इंडेक्स ड्रॉ किया है. चार्ट पे कैंडल स्टिक के उपर हमने एक सर्कल भी ड्रॉ किया है. और रिलेटिव्ह स्ट्रेंथ इंडेक्स पे भी हमने एक सर्कल ड्रॉ किया है.

अब यहा पे आप ये देख सकते है की सर्कल किये हुए कैंडल पे जब स्टॉक ट्रेड कर रहा था तब रिलेटिव्ह स्ट्रेंथ इंडेक्स की व्हॅल्यू २५ के आसपास थी. याने की वो उसके ओव्हरसोल्ड रिजन मे काम कर रहा था. और जैसे की हमने देखा जब कोई भी स्टॉक

ओव्हरसोल्ड रिजन में रहेगा तो उसके प्राइसेस ऊपर जाने की संभावना हो जाती है. और आप देख सकते हैं उसके बाद स्टॉक ने ऊपर जाना शुरू कर दिया.



फिगर: - बजाज ऑटो डेली चार्ट (डेट :- 07 फेब 2019)

अब ऊपर दि गयी फिगर में आप देख सकते हैं. हमने कैंडल को भी मार्क किया है सर्कल से और रिलेटिव्ह स्ट्रेंथ इंडेक्स की व्हैल्यू को भी. यहाँ पे आप कैंडल से पता कर सकते हैं की स्टॉक अच्छा खासा ऊपर ट्रेड कर रहा था. उस कैंडल पे आप रिलेटिव्ह स्ट्रेंथ इंडेक्स की व्हैल्यू देख सकते हैं. रिलेटिव्ह स्ट्रेंथ इंडेक्स की व्हैल्यू है ६६ के आसपास. याने की स्टॉक उसके ओव्हरबॉट रिजन के आसपास काम कर रहा है. रिलेटिव्ह स्ट्रेंथ इंडेक्स के रूल के

हिसाब से जब भी कोई स्टॉक ओव्हरबॉट रिजन में काम करेगा तो बाद में उसकी प्राइसेस नीचे जाने की संभावना हो जाती है. और फिर आप देख सकते हैं स्टॉक में गिरावट आना शुरू हो गई.

### 3. सुपरट्रेंड: -

सुपरट्रेंड एक टेक्निकल इंडिकेटर है जिसे बहुत सारे ट्रेडर्स अपने ट्रेडिंग में इस्तेमाल करते हैं. सुपरट्रेंड का इस्तेमाल हम ट्रेंड और उसके साथ ट्रेंड रिव्हर्सल को पहचानने के लिये करते हैं.

सुपरट्रेंड के रूल के हिसाब से जब भी सुपरट्रेंड कैंडल के नीचे रहेगा तो उसका मतलब ये हो जाता है की वो स्टॉक उसके अपट्रेंड में काम कर रहा है. और उसी तरह से जब भी सुपरट्रेंड कैंडल के ऊपर ट्रेड करेगा तो हम कहेंगे की वो स्टॉक उसके डाउनट्रेंड में काम कर रहा है.

मान लीजिए की जब सुपरट्रेंड ऊपर से नीचे या नीचे से ऊपर (कैंडल के) शिफ्ट होता है तो वो एक ट्रेंड रिव्हर्सल का इंडिकेशन हो जाता है.



फिगर : - कैंडल स्टिक चार्ट विथ सुपरट्रेंड

अभी उपर दि गयी फिगर को आप देख सकते है. हमने एक कैंडल स्टिक चार्ट लिया है और उसपे सुपरट्रेंड ड्रॉ किया है. चार्ट पे आप देख सकते है की जब सुपरट्रेंड कैंडल के नीचे था तो स्टॉक उसके अपट्रेंड मे काम कर रहा था. और जब सुपरट्रेंड उपर था तब स्टॉक उसके डाऊन ट्रेंड मे काम कर रहा था. उसी तरह से हमने चार्ट पे दो सर्कल भी मार्क किये है. उसे आप देखेंगे तो आप को पता लग जायेगा की जब सुपरट्रेंड उपर से नीचे शिफ्ट हुआ तो स्टॉक मे ट्रेंड रिव्हर्सल आगया और स्टॉक ने उपर जाना शुरु कर दिया. उसी तरह से जब

सुपरट्रेंड नीचे से उपर शिफ्ट हुआ तो स्टॉक में फिरसे ट्रेंड रिव्हर्सल आगया और स्टॉक ने नीचे जाना शुरू कर दिया.

तो इस तरह से हम सुपरट्रेंड का इस्तेमाल कर के ट्रेंड को और उसके हि साथ ट्रेंड रिव्हर्सल को पहचान सकते हैं.



#### 4. वोल्युम: -

वोल्युम हमें ये बता देता है कि स्पेसिफिक पिरेड में कितने शेअर्स ट्रेड हुए हैं।



फिगर: - ऍक्सिस बैंक डेली चार्ट

उपर दि गयी फिगर में हमने ऍक्सिस बैंक का डेली कँडल स्टिक चार्ट लिया है. चार्ट के नीचे हमने वोल्युम इंडिकेटर ड्राँ किया है. इसके हिसाब से जब भी स्टॉक में कोई मुव्हमेंट आती है और उसमें वोल्युम रहेता है तो उसका एक इंडिकेशन होता है की स्टॉक उसी दिशा

मे अभी जाने के लिये तयार हो रहा है. मान लिजिए की स्टॉक एक दिन मे बहोत सारा उपर चला गया और उसके हि साथ उसमे वोल्युम भी था तो इसका मतलब ये हो जाता है की स्टॉक के प्राइसेस उपर ले जाने मे बहोत बडा वोल्युम था याने की बहोत सारे लोग उसमे इन्व्हॉल्व थे. जब बहोत सारे लोग स्टॉक की प्राईस को मूव्ह करने मे इन्व्हॉल्व रहेंगे तो इसका मतलब ये हो जाता है की स्टॉक मे एक मोमेंटम आ गया है और स्टॉक अब उसी दिशा मे जाने के लिये तयार हो रहा है. नीचे दिये गये वोल्युम इंडिकेटर मे अगर वोल्युम का बार बडा रहेगा तो इसका मतलब ये हो जाता है की वोल्युम अच्छा है.

तो इस तरह से हम वोल्युम इंडिकेटर का इस्तेमाल करते है.

तो हमने इस चॅप्टर मे कुछ सिम्पल से टेक्निकल इंडिकेटर्स देख लिये जो की बहोत सारे लोग अपने ट्रेडिंग मे इसका इस्तेमाल करते है. और भी बहोत सारे टेक्निकल इंडिकेटर्स रहते है लेकिन हम यहा पे इतने हि देखेंगे. आप इनकी भी प्रॅक्टिस कर के अच्छा खासा प्रॉफिट मार्केट से कमा सकते है.

## 8.डिसिप्लिनस और रुल्स

स्टॉक मार्केट में जब हम ट्रेडिंग करना शुरू करते हैं तो बहुत सारे स्ट्रेटजीज हमें मिल जाते हैं। जैसे कि कोई स्ट्रेटजी इंट्राडे के लिये होगी तो कोई स्ट्रेटजी स्विंग के लिये होगी। वैसे ही कोई स्ट्रेटजी शॉर्ट टर्म के लिये होगी तो कोई लॉन्ग टर्म के लिये। कोई स्ट्रेटजीज रहेंगे पैटर्न का यूज करके तो कोई रहेंगे टेक्निकल इंडिकेटर्स का यूज करके। तो बहुत सारे स्ट्रेटजीज हमें मिल जाते हैं। और उसमें भी और एक बात है कि हमें ऐसे भी स्ट्रेटजीज मिलते हैं जिनका सक्सेस रेशो भी अच्छा है।

तो इतना सब कुछ मिलने के बाद भी हम स्टॉक मार्केट से पैसे नहीं कमा पाते। तो इसके पीछे कि एक वजह है और वो है डिसिप्लिन का अभाव।

याने कि हम पूरी तरह से स्ट्रेटजी को सीख लेते हैं उसकी बॅक टेस्टिंग कर लेते हैं, और इतना ही नहीं उसे हम लाईव्ह मार्केट में भी देखते रहते हैं। तो हमें लगता है कि अब हम अच्छी तरह से ट्रेडिंग कर सकते हैं। लेकिन जब हम रियल में ट्रेडिंग करना शुरू करते हैं और हमें ज्यादा तर लॉस होने लगता है तो समझ में आता है कि हमने जो भी प्रॅक्टिस की थी वो अब काम नहीं आ रही है।

क्यों कि उसके पीछे कि वजह ये होती है कि हमने प्रॅक्टिस तो की होती है हमारे स्ट्रेटजी कि, लेकिन हमने उसमें डिसिप्लिन को एंड नहीं किया होता। जब हम पैसे डालके ट्रेडिंग करना शुरू करते हैं तो हमारे इमोशन्स एक्टिवेट होते हैं। और वो इमोशन्स हमें गलत डिसिजन लेने पे मजबूर करते हैं। और उसकी वजह से हम हमारे इमोशन्स को कंट्रोल नहीं कर पाते और मार्केट से लॉस करावा लेते हैं।

तो एक बात इम्पोर्टन्ट ये हो जाती है कि जब भी हम हमारे स्ट्रैटेजी के साथ ट्रेडिंग करेंगे तो हमे स्ट्रैटेजी के साथ हमारे कुछ डिसिप्लिनस भी बनाने है और उसे हमे कुछ भी हो फॉलो करना हि है.

जब आप स्ट्रैटेजी के साथ डिसिप्लिनस बनाओगे और उसके साथ ट्रेडिंग करोगे तो आप को समझ मे आयेगा कि रूल्स और डिसिप्लिनस कितने इम्पोर्टन्ट होते है ट्रेडिंग मे.

रूल्स अगर हम कहेंगे तो उसमे डाइव्हर्सिफिकेशन आ जाता है. हमे स्टॉक मे भी डाइव्हर्सिफिकेशन करना चाहिये और अमाऊंट मे भी. डाइव्हर्सिफिकेशन याने कि एक स्टॉक मे पैसे लगाने कि बजाय 3 से 4 स्टॉक मे पैसे लगाना. तो इससे हमारी रिस्क स्टॉक वाईस डिव्हाइड होती है. वैसे हि हमे पैसों का भी डाइव्हर्सिफिकेशन करना चाहिये. याने कि हम एक हि स्टॉक मे पुरा पैसे नही डालेंगे. हम हमारी कैपिटल को समान हिससो मे डिव्हाइड करेंगे और अलग अलग स्टॉक मे डालेंगे तो इससे हमारी रिस्क भी कम हो जाती है.

दुसरा रूल ये हो जाता है कि हमे रिस्क और रिवॉर्ड को मेंटेन करना है. याने कि जब हम ट्रेड लेते है तो हमे रिस्क और रिवॉर्ड कम से कम 1:2 का मेंटेन करना है. याने कि मान लिजिए कि हमे 1 रुपीज का लॉस होता है तो उसके बदले अगर प्रॉफिट होता है तो वो 2 रुपीज का होना चाहिये. तो इस तरह से होगा तो हमे लॉस होगा तो कम से कम होगा और प्रॉफिट होगा तो ज्यादा से ज्यादा होगा. तो इसी तरह से हमे रिस्क और रिवॉर्ड को मेंटेन करना है.

और एक बात हो जाती है कि हमे हमारे स्टॉप लॉस और टारगेट को डिसिप्लिन से फॉलो करना होगा. याने कि स्ट्रैटेजी के हिसाब से अगर हमारा स्टॉप लॉस हिट होता है तो हमे लॉस बुक करके बाहर आना होगा और अगर हमारा टारगेट हिट होता है तो भी हमे प्रॉफिट बुक करके बाहर आना होगा. अगर हम समय मे प्रॉफिट या लॉस बुक नही करते है तो बाद मे

जाकर स्टॉक कि मुव्हमेंट बदल सकती है और हमारे प्रॉफिट का कन्व्हर्शन फिर से लॉस में हो सकता है या तो लॉस और भी बढ़ सकता है. तो इस तरह के सिचुएशन्स अव्हाइड करने के लिये हमे स्टॉप लॉस और टार्गेट को डिसिप्लिन से फॉलो करना है.

और भी बहोत सारे डिसिप्लिनस रहते है जो हमे फॉलो करने पडते है. जैसे जैसे आपका एक्सपेरिअन्स बढ़ता जायेगा तो आपकी समझ मार्केट के प्रति बढ़ती जायेगी और आप भी डिसिप्लिन के साथ अच्छे से ट्रेडिंग कर पायेंगे.

## 9. कन्वलुजन

इस बुक में हमने चार्ट पॅटर्न्स और टेक्निकल इंडिकेटर्स को प्रायॉरीटी दी है। हमने अलग अलग चार्ट पॅटर्न्स देख लिये और कुछ इम्पोर्टेंट टेक्निकल इंडिकेटर्स भी देख लिए। अगर आप बिगिनर लेवल के लोग हैं और आप इस बुक में दी गयी इन्फॉर्मेशन अच्छे से पढ़ लेते हैं, समझ लेते हैं। और बताये गये ट्रेडिंग स्ट्रैटेजीज को और डिसिप्लिनस को अच्छी तरह से फॉलो करते हैं तो भी आप मार्केट में से अच्छा खासा पैसा कमा सकते हैं। बहोत सारे ट्रेडर्स हैं जो खाली चार्ट पॅटर्न्स को देख कर ट्रेड करते हैं और अच्छा खासा प्रॉफिट भी कमा लेते हैं। कुछ ट्रेडर्स अपने ट्रेडिंग में टेक्निकल इंडिकेटर्स का सहारा लेते हैं और वो भी अच्छा खासा पैसा कमा लेते हैं।

तो हम भी अगर बताये गये चार्ट पॅटर्न्स और उसके साथ टेक्निकल इंडिकेटर्स को अच्छी तरह से समझ लेते हैं और उसके साथ ट्रेडिंग करते हैं। तो हम भी अच्छा खासा प्रॉफिट मार्केट से कमा सकते हैं।

अगर आप को इंटरेस्ट होगा तो आप और भी जो चार्ट पॅटर्न्स रहते हैं उसकी भी स्टडी कर सकते हैं और अपने नॉलेज में गेन कर सकते हैं। आप और भी जो टेक्निकल इंडिकेटर्स रहते हैं उसकी भी स्टडी कर सकते हैं और आप के नॉलेज में गेन कर सकते हैं।

एक बात जरूर है कि हम मार्केट में जितना भी सिखेंगे उतना कम हि है। इसीलिये हमें कन्टीनुस्ली सिखते हि जाना है और इम्प्रूवमेंट करती जानी है।

आशा करता हूं कि आप भी अच्छे से सिखेंगे और एक दिन आपकी खुद कि भी स्ट्रैटेजी बनायेंगे और मार्केट से अच्छा खासा प्रॉफिट कमायेंगे।

बेस्ट लक !!!



# हमारे दुसरे बुक्स

Authors Other Books published on Amazon: -

About Stock Market: -

1. Fundamentals of Technical Charts: (Stock charts are the pictorial representation of Fundamentals) Kindle Edition

[https://www.amazon.in/Fundamentals-Technical-Charts-pictorial-representation-ebook/dp/B07859JCM6/ref=sr\\_1\\_1?ie=UTF8&qid=1518104017&sr=8-1&keywords=abhijit+zingade](https://www.amazon.in/Fundamentals-Technical-Charts-pictorial-representation-ebook/dp/B07859JCM6/ref=sr_1_1?ie=UTF8&qid=1518104017&sr=8-1&keywords=abhijit+zingade)

2. Trading Using Technical Indicators: (Indicators are the data points on stock chart that predict stock movement) Kindle Edition

[https://www.amazon.in/Trading-Using-Technical-Indicators-movement-ebook/dp/B0797V58WL/ref=sr\\_1\\_2?ie=UTF8&qid=1518104017&sr=8-2&keywords=abhijit+zingade&dpID=51zAfySPe-L&preST= SY445 QL70 &dpSrc=srch](https://www.amazon.in/Trading-Using-Technical-Indicators-movement-ebook/dp/B0797V58WL/ref=sr_1_2?ie=UTF8&qid=1518104017&sr=8-2&keywords=abhijit+zingade&dpID=51zAfySPe-L&preST= SY445 QL70 &dpSrc=srch)

3. Trading Using Chart Patterns: (Patterns are the Shapes Appeared on Stock Chart) Kindle Edition

[https://www.amazon.in/Trading-Using-Chart-Patterns-Appeared-ebook/dp/B078VQ6GX4/ref=sr\\_1\\_3?ie=UTF8&qid=1518104017&sr=8-3&keywords=abhijit+zingade&dpID=51qjTMkCYBL&preST= SY445 QL70 &dpSrc=srch](https://www.amazon.in/Trading-Using-Chart-Patterns-Appeared-ebook/dp/B078VQ6GX4/ref=sr_1_3?ie=UTF8&qid=1518104017&sr=8-3&keywords=abhijit+zingade&dpID=51qjTMkCYBL&preST= SY445 QL70 &dpSrc=srch)

4. Technical Analysis of Stocks Using Candlestick Charts : (Understanding Hidden Data Stored In Candlesticks) Kindle Edition

[https://www.amazon.in/Technical-Analysis-Stocks-Candlestick-Charts-ebook/dp/B07B292M45/ref=sr\\_1\\_5?ie=UTF8&qid=1523775122&sr=8-5&keywords=abhijit+zingade](https://www.amazon.in/Technical-Analysis-Stocks-Candlestick-Charts-ebook/dp/B07B292M45/ref=sr_1_5?ie=UTF8&qid=1523775122&sr=8-5&keywords=abhijit+zingade)

5. Trading Using Patterns and Indicators: (A Combinational Approach to Beat Stock Market) Kindle Edition

[https://www.amazon.in/Trading-Using-Patterns-Indicators-Combinational-ebook/dp/B079Q1KL8X/ref=sr\\_1\\_4?ie=UTF8&qid=1523775122&sr=8-4&keywords=abhijit+zingade](https://www.amazon.in/Trading-Using-Patterns-Indicators-Combinational-ebook/dp/B079Q1KL8X/ref=sr_1_4?ie=UTF8&qid=1523775122&sr=8-4&keywords=abhijit+zingade)

6. How To Earn Money Using Different Methods: (Start with your own capital or choose zero investment methods for financial freedom) Kindle Edition

[https://www.amazon.in/Earn-Money-Using-Different-Methods-ebook/dp/B07C6TX296/ref=sr\\_1\\_3?ie=UTF8&qid=1526978866&sr=8-3&keywords=abhijit+zingade](https://www.amazon.in/Earn-Money-Using-Different-Methods-ebook/dp/B07C6TX296/ref=sr_1_3?ie=UTF8&qid=1526978866&sr=8-3&keywords=abhijit+zingade)

7. Intraday Trading Strategies: < == While Intraday Trading It Is Learnt That Our Emotions Are More Powerful Than Our Knowledge... And To Kill Those Emotions We Need Well Disciplined Mind == > Kindle Edition

by [Abhijit Zingade](#) (Author)

[https://www.amazon.in/Intraday-Trading-Strategies-Knowledge-Disciplined-ebook/dp/B07D7XQBPD/ref=sr\\_1\\_4?ie=UTF8&qid=1531215653&sr=8-4&keywords=abhijit+zingade](https://www.amazon.in/Intraday-Trading-Strategies-Knowledge-Disciplined-ebook/dp/B07D7XQBPD/ref=sr_1_4?ie=UTF8&qid=1531215653&sr=8-4&keywords=abhijit+zingade)

8. Trading a Squeeze Breakout: (The Squeeze Breakout Method for Short Term Trading) Kindle Edition

by [Abhijit Zingade](#) (Author)

<https://www.amazon.in/Trading-Squeeze-Breakout-Method-Short->

[ebook/dp/B07F1J6WRJ/ref=sr\\_1\\_6?ie=UTF8&qid=1531215653&sr=8-6&keywords=abhijit+zingade](https://www.amazon.in/Day-Trading-Making-Pivot-System-ebook/dp/B07F1J6WRJ/ref=sr_1_6?ie=UTF8&qid=1531215653&sr=8-6&keywords=abhijit+zingade)

9. Day Trading By Making Own Pivot System: (A Simple yet More Powerful Intraday Strategy) Kindle Edition

by [Abhijit Zingade](#) (Author)

[https://www.amazon.in/Day-Trading-Making-Pivot-System-ebook/dp/B07FDB7SDQ/ref=sr\\_1\\_3?ie=UTF8&qid=1532156370&sr=8-3&keywords=abhijit+zingade](https://www.amazon.in/Day-Trading-Making-Pivot-System-ebook/dp/B07FDB7SDQ/ref=sr_1_3?ie=UTF8&qid=1532156370&sr=8-3&keywords=abhijit+zingade)

10. Make Swing Trading Profitable : (Proper Entry and Exit Strategy for Short Term Traders) Kindle Edition

[https://www.amazon.in/Make-Swing-Trading-Profitable-Strategy-ebook/dp/B07FRJR3K2/ref=sr\\_1\\_2?ie=UTF8&qid=1533121817&sr=8-2&keywords=abhijit+zingade](https://www.amazon.in/Make-Swing-Trading-Profitable-Strategy-ebook/dp/B07FRJR3K2/ref=sr_1_2?ie=UTF8&qid=1533121817&sr=8-2&keywords=abhijit+zingade)

11. The Stock Market: (Where Emotions are Traded more than Disciplines) Kindle Edition

[https://www.amazon.in/Stock-Market-Emotions-Traded-Disciplines-ebook/dp/B07G3DM4CY/ref=sr\\_1\\_12?ie=UTF8&qid=1534313873&sr=8-12&keywords=abhijit+zingade](https://www.amazon.in/Stock-Market-Emotions-Traded-Disciplines-ebook/dp/B07G3DM4CY/ref=sr_1_12?ie=UTF8&qid=1534313873&sr=8-12&keywords=abhijit+zingade)

12. Intraday Trading Myths: (Think it in a Right Way) Kindle Edition

by [Abhijit Zingade](#) (Author)

[https://www.amazon.in/Intraday-Trading-Myths-Think-Right-ebook/dp/B07GGRTXMF/ref=sr\\_1\\_14?ie=UTF8&qid=1535817761&sr=8-14&keywords=abhijit+zingade](https://www.amazon.in/Intraday-Trading-Myths-Think-Right-ebook/dp/B07GGRTXMF/ref=sr_1_14?ie=UTF8&qid=1535817761&sr=8-14&keywords=abhijit+zingade)

13. How to Identify Potential Multibagger: (A Technical Analysis Way to Choose Right Multibagger) Kindle Edition

by [Abhijit Zingade](#) (Author)

[https://www.amazon.in/How-Identify-Potential-Multibagger-Technical-ebook/dp/B07H1SHY9C/ref=sr\\_1\\_14?ie=UTF8&qid=1540313378&sr=8-14&keywords=abhijit+zingade](https://www.amazon.in/How-Identify-Potential-Multibagger-Technical-ebook/dp/B07H1SHY9C/ref=sr_1_14?ie=UTF8&qid=1540313378&sr=8-14&keywords=abhijit+zingade)

14. Intraday Trading Strategies (Part - II): (Using The Power Of Technical Analysis) Kindle Edition

by [Abhijit Zingade](#) (Author)

[https://www.amazon.in/Intraday-Trading-Strategies-Part-Technical-ebook/dp/B07JMYQNWK/ref=sr\\_1\\_15?ie=UTF8&qid=1543415099&sr=8-15&keywords=abhijit+zingade](https://www.amazon.in/Intraday-Trading-Strategies-Part-Technical-ebook/dp/B07JMYQNWK/ref=sr_1_15?ie=UTF8&qid=1543415099&sr=8-15&keywords=abhijit+zingade)

[15&keywords=abhijit+zingade](#)

Other Books of Authors on Amazon: -

1. Meditation: (A Motivational Door to the Magical World) Kindle Edition

[https://www.amazon.in/Meditation-Motivational-Door-Magical-World-ebook/dp/B078QSNKZ9/ref=sr\\_1\\_4?ie=UTF8&qid=1518104017&sr=8-4&keywords=abhijit+zingade&dpID=514JyyvKByL&preST= SY445 QL70 &dpSrc=srch](https://www.amazon.in/Meditation-Motivational-Door-Magical-World-ebook/dp/B078QSNKZ9/ref=sr_1_4?ie=UTF8&qid=1518104017&sr=8-4&keywords=abhijit+zingade&dpID=514JyyvKByL&preST= SY445 QL70 &dpSrc=srch)

2. C Programming Made Easy: A beginner's guide

Kindle Edition

[https://www.amazon.in/Programming-Made-Easy-beginners-guide-ebook/dp/B076KKR6CD/ref=sr\\_1\\_5?ie=UTF8&qid=1518104017&sr=8-5&keywords=abhijit+zingade&dpID=41HknDwZjjL&preST= SY445 QL70 &dpSrc=srch](https://www.amazon.in/Programming-Made-Easy-beginners-guide-ebook/dp/B076KKR6CD/ref=sr_1_5?ie=UTF8&qid=1518104017&sr=8-5&keywords=abhijit+zingade&dpID=41HknDwZjjL&preST= SY445 QL70 &dpSrc=srch)

Authors YouTube Channel: -

Channel Name: - Learn Stock Charts To Earn

[https://www.youtube.com/channel/UC8lK9d08RyuRuE3AKO\\_FSxw/videos](https://www.youtube.com/channel/UC8lK9d08RyuRuE3AKO_FSxw/videos)

# Learn Stock Charts to Earn

## (A psychology Behind Everything)

Stock Market information from Basics to Advanced level ...  
To get daily updates  to this channel and click on  Icon.

 facebook  G+



Learn Stock Charts To Earn  
2,001 subscribers

[HOME](#) [VIDEOS](#) [PLAYLISTS](#) [COMMUNITY](#) [CHANNELS](#) [ABOUT](#) 

[CUSTOMIZE CHANNEL](#) [YOUTUBE STUDIO \(BETA\)](#)

Uploads [PLAY ALL](#)



Back Testing Vs Real Trading (In Hindi)  
691 views • 1 day ago




Moving Average - A Technical Indicator Basics (How to...)  
859 views • 2 days ago



Stochastic Indicator | Basics of Technical Indicators (In...)  
88 views • 2 days ago



SuperTrend Indicator Basics (In Hindi)  
187 views • 3 days ago




On 60 Minutes Chart Using Technical Indicators  
458 views • 4 days ago



Intraday or Positional Trading Using 60 Minutes Chart (In...)  
388 views • 5 days ago




Trading Using Uptrend Scanner (Live Stock Analysis)  
10:45




HOW TO CREATE SCANNER FOR UPTREND STOCK SELECTION  
Simple and Profitable  
11:56



HOW TO FIND THE STOCKS TRADING IN UPTREND  
Simple and Profitable  
15:01



CIPLA Stock Chart Analysis  
Formed Morning Star Pattern at Support  
14:07



ICICI BANK Stock Chart Analysis  
Formed Cup and Handle Pattern and Given Breakout  
15:13



NIFTY ANALYSIS 16 NOV 2018  
10:32

Authors Blogs: -

1.About Financial : - <https://abhijitzingadefinancial.blogspot.in/>

2. About Motivation :

<https://abhijitzingade.blogspot.in/>

3.About Spirituality:

<https://abhijitzingadespirituality.blogspot.in/>

Authors Facebook Page: -

Group Name: - Learn Stock Charts To Earn

<https://www.facebook.com/groups/147304922592574/>

Learn Stock Charts To Earn

Closed group

About

Discussion

Announcements

Members

Events

Videos

Photos

Group insights

Moderate group

Search this group

Shortcuts

Learn Stock Charts To ...

Learn Stock Charts to Earn

(A psychology Behind Everything)

Stock Market information from Basics to Advanced level ...

Joined

Notifications

Share

More

Write Post

Add Photo/Video

Live Video

More

Write something...

Photo/Video

Get together

Watch party

ADD MEMBERS

Embed invitation

Enter name or email address...